समणी चारित्रप्रज्ञा बनी जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय की कुलपति

आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में हुआ समणी मंगलप्रज्ञा का विदाई समारोह

सरदारशहर 3 नवम्बर, 2010

बुधवार को प्रातः तेरापंथ भवन में आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में आयोजित जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय के एक विशिष्ट कार्यक्रम में नवनियुक्त कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा का स्वागत किया गया एवं निवर्तमान कुलपति डॉ. समणी मंगलप्रज्ञा को विदाई दी गई। इस मौके पर आचार्य महाश्रमण ने कहा कि जैन विश्व भारती व्यापक संस्था है। इसमें जैन विद्या के क्षेत्र में कार्य होता है। यह कार्य इसका मुज्य है इस पर टिचिंग, रिसर्च, ट्रेनिंग चलती रहे तो इसका और ज्यादा विकास होगा। उन्होंने कहा कि तेरापंथ समाज की संस्थाओं में नैतिकता बनी रहनी चाहिए। अनैतिकता की बात सुनना मुझे पसंद नहीं है। उन्होंने जैन विश्व भारती के साथ जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा को भी सबल संस्था बताते हुए कहा कि किसी भी संस्था, संगठन का एक्सरे, सोनोग्राफी होती रहनी चाहिए।

आचार्य महाश्रमण ने समणी मंगलप्रज्ञा के कार्यकाल की सफलता की चर्चा करते हुए कहा कि नवनियुक्त कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा को समणी मंगलप्रज्ञा के अनुभवों का लाभ लेना है और विश्वविद्यालय में नैतिकता, नम्रता, निर्भिकता बनी रहे इस पर ध्यान देना है।

साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा ने कहा कि समणी मंगलप्रज्ञा ने प्रशासन कौशल, सहनशीलता के आधार पर अपना स्थान बनाया। नवनियुक्त कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने आचार्य महाश्रमण के आशीर्वाद के साथ निरंतर दिशा दर्शन मिलते रहने की कामना की। निवर्तमान कुलपति समणी मंगलप्रज्ञा ने कहा कि जब मैंने दायित्व संभाला तब समाज में संदेह का वातावरण था। मैं जागरूकता के साथ काम कर सकी इसमें पुण्यात्माओं का योग है। जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय हिन्दुस्तान में जिस तरह से कार्य कर रहा है उस पर मुझे गौरव है। उन्होंने जैन विश्व भारती के अध्यक्ष सुरेन्द्र चौरड़िया, महासभा के अध्यक्ष चैनरूप चिण्डालिया, समणी ऋतुप्रज्ञा, समणी चैत्यप्रज्ञा सहित पूरे स्टाफ से मिले सहयोग का उल्लेख किया एवं नवनियुक्त कुलपति के प्रति मंगल कामना व्यक्त की।

इस अवसर पर मुनि किशनलाल, समणी प्रतिभाप्रज्ञा, जैन विश्व भारती के अध्यक्ष सुरेन्द्र चौरड़िया व मंत्री जितेन्द्र नाहटा, प्रो. जगतराम भट्टाचार्य, सुश्री वीणा जैन, डॉ. शान्ता जैन, जे.पी.एन. मिश्रा ने अपने विचार व्यक्त किये।

चातुर्मास व्यवस्था समिति के महामंत्री रतन दूगड़ व वरिष्ठ उपाध्यक्ष चैनरूप चिण्डालिया ने नवनियुक्त कुलपति समणी चारित्र प्रज्ञा व निवर्तमान कुलपति समणी डॉ. मंगलप्रज्ञा का मोमेंटो द्वारा सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आनन्दप्रकाश त्रिपाठी ने किया।

जीवन विज्ञान अन्तर्राष्ट्रीय शिविर 8 से

सरदारशहर

आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में 8 से 13 नवम्बर, 2010 को छह दिवसीय जीवन विज्ञान अर्न्तराष्ट्रीय शिविर का आयोजन सरदारशहर में होगा। यह शिविर जीवन विज्ञान अन्तर्राष्ट्रीय शोध एवं प्रशिक्षण संस्था जैन विश्व भारती लाडनूं द्वारा आयोजित है, इसका उद्देश्य है - विद्यार्थियों में समस्याओं का समाधान करना है। प्रेक्षाप्राध्यापक मुनि किशनलाल ने बताया कि जीवन विज्ञान के द्वारा विद्यार्थियों के आवेश का संतुलन, स्मृति का विकास, समय प्रबंधन, तनाव प्रबंधन आदतों के परिष्कार का विलक्षण अवसर है, इस शिविर में जीवन विज्ञान के बारह यूनिट्स - भाषा, संकल्प, योग, कायोत्सर्ग, प्रेक्षाध्यान, अनुप्रेक्षा के द्वारा श्रेष्ठ विद्यार्थी बनाने का प्रयास किया जाएगा। यह शिविर कुबेर पैलेस एवं तेरापंथ भवन में संचालित किया जाएगा।

इस शिविर में दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, आन्ध्रप्रदेश, मध्यप्रदेश, आदि विभिन्न क्षेत्रों से विद्यार्थी उपस्थित होंगे। शिविर के प्रायोजक कुबेर ग्रुप है।